हिन्दी

कक्षा - सातवी

पाठ - 13 (एक तिनका)

प्र०1 नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य बदलिए

उ० क एक दिन जब मैं अपनी छत की मुंडेर पर खड़ा था।

ख आँख में तिनका चला जाने के कारण आँख लाल होकर दुखने लगी।

ग बेचारी ऐंठ दबे पावों भागी।

घ किसी तरीके से आँख से तिनका निकल गया।

प्र०2

उ० एक तिनका कविता में 'हरिऔध' जी ने उस समय की घटना का वर्णन किया है जब कवि अपने आप को सबसे श्रेष्ठ समझने लगा था। उसके इस घमंड को एक छोटे से तिनके ने चूर-चूर कर दिया था। उस छोटे से तिनके के कारण ~~की~~ कवि की नाक में दम हो गया था। उसकी आँख लाल होकर दुखने लगी थी। बहुत यत्न करने पर तिनका निकला। तब लेखक को ~~मकि~~ समझ में आया कि अभिमान तोड़ने के लिए एक छोटा सा तिनका ही काफी है। तिनके के उदाहरण द्वारा हमें घमंड न करने की सीख मिलती है।

प्र०3

उ० आँख में तिनका गिरने के बाद घमंडी की आँख दर्द के कारण लाल हो गई, आँसू बहने लगे वह बेचैन हो उठा और किसी भी तरह से आँख से तिनका निकालने का प्रयत्न करने लगा।

प्र०4

उ० घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास के लोगों ने कपड़े की मूंठ बनाकर उसकी आँख पर लगाया और तिनका निकालने का प्रयास किया

Quad Camera
Galaxy M12

Red Wings
Page No. __ Date __/__/20__

प्र॰5
उ॰ इन दोनों काव्यांशो में यह समानता है कि दोनों मे ही तिनके के उदाहरण द्वारा यह समझाया गया है कि एक छोटा सा तिनका भी मनुष्य को परेशानी में डाल सकता है।
इन दोनों काव्यांशु में यह अंतर है कि जहां कवि हरिऔध जी ने हमें स्वयं को सर्वश्रेष्ठ मानकर घमंड न करने की सीख दी है वहीं कबीरजी ने हमें किसी को भी तुच्छ न समझने की सीख दी है अर्थात किसी को अपने से कम समझ कर उसकी निंदा नहीं करनी चाहिए।